बालक की मौत के बाद जलदाय विभाग और प्रशासन ने पानी के सैंपल लिए

चौबे पाड़ा, दुब्बे पाड़ा, काना हनुमान पाड़ा, पाठक पाड़ा, जाट की सराय, गुलशन कॉलोनी, बाईपास सहित कई कॉलोनी के सैकड़ों लोग बीमार

हिण्डौन सिटी, (निस)। शहर की दर्जनों कॉलोनियों में नलों से आ रहे दूषित पानी के चलते फैली उल्टी दस्त की बीमारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रही है। लगातार बढ़ रहे मरीजों की संख्या के बीच मंगलवार को सुबह एक 12 वर्षीय बालक की उल्टी दस्त के कारण मौत हो गई। वही मामला बढ़ ता देख जलदाय विभाग और प्रशासन अब पानी के सैंपल लेकर जांच में जुटा है।

मामले की जांच करने पहुंचे जलदाय विभाग हिंडौन के अभियंताओं का शहर के लोगों ने घेराव कर जमकर खरी-खोटी सुनाई। मंगलवार को जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह भी हिंडौन के जिला अस्पताल पहुंचे तथा मरीजों के हालचाल जानकर जलदाय विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्र का भी निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। जिला

- **प्रभावित क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति रोकी, कलेक्टर ने किया निरीक्षण**

कलेक्टर ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति रोक दी है, जिससे इंफेक्शन और नहीं फैले। उन्होंने बताया कि पानी के सैंपल लिए हैं जिसकी जांच आने के बाद पता चलेगा कि पानी सोर्स से दूषित हुआ है या फिर पाइप लाइन में लीकेज के कारण।

उल्लेखनीय है कि हिण्डौन के चौबे पाड़ा, दुब्बे पाड़ा, काना हनुमान पाड़ा, पाठक पाड़ा, जाट की सराय, गुलशन कॉलोनी, बाईपास सहित कई कॉलोनी के सैकड़ों लोगों को जलदाय विभाग द्वारा एक ही टंकी से पेयजल आपूर्ति की जाती है। इन कॉलोनी के करीब 100 से अधिक लोगों को उल्टी दस्त से पीड़ित बताए जा रहे हैं।

हिण्डौन के शाहगंज निवासी 12 वर्षीय देव कुमार पुत्र गिरधारी कोली को दूषित पानी पीने के कारण रात को अचानक उल्टी दस्त शुरू हुए। जिसके बाद परिजन मंगलवार सुबह बालक को हिंडौन के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्थानांतरण निरस्तीकरण आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग उदयपुर का मामला

जोधपुर, (कासं) । राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश अरूण भंसाली ने प्रयोगशाला तकनिशियन के पद पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सविना, गिर्वा, उदयपुर में कार्यरत कमलेश कुमार किकोड की रिट याचिका को अंतरिम रूप से स्वीकार करते हुए चिकित्सा विभाग द्वारा जारी उसके स्थानान्तरण निरस्तीकरण आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। तथा चिकित्सा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया ।

उदयपुर निवासी कमलेश कुमार किकोड का स्थानातरण चिकित्सा विभाग के आदेश 10.09.2022 से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जवास, खैरवाडा उदयपुर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सविना, गिर्वा उदयपुर किया गया। विभाग के आदेश 10.09.2022के अंतर्गत प्रार्थी को ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने 12.09.2022को उसे कार्य मुक्त करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सविना मे कार्यग्रहण करने का आदेश प्रदान किया।

प्रार्थी द्वारा आदेश 10 सितंबर 2022 के अनुसरण में 13 सितंबर को

- **चिकित्सा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया**

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सविना में कार्यग्रहण कर लिया ।

निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रार्थी के कार्यग्रहण के दो माह पश्चात प्रार्थी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जवास खैरवाडा से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सविना के लिए "स्थानांतरणधीन मानते हुए" 28 नवंबर को उसका स्थानांतरण निरस्त करते हुए पुन: प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जवास, खैरवाडा उदयपुर स्थानांतरण यथावत कर दिया गया।

विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर प्रार्थी ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के समक्ष प्रार्थी के अधिवक्ता का यह तर्क था कि प्रार्थी ने आदेश दिनांक 10 सितंबर के अनुसरण में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सविना में 13सितंबर को ही कार्यग्रहण कर लिया था। इसके बावजूद भी विभाग द्वारा उसे जवास से सविना के लिए स्थानान्तरणधीन मानते हुए आदेश 28नवंबर से उसका स्थानातंरण निरस्त कर पुन: प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जवास खैरवाडा का आदेश अनुचित किया गया है। क्योकि प्रार्थी द्वारा 13.09.2022को ही सविना में कार्यग्रहण कर लिया था साथ ही यह भी तर्क दिया कि विभाग के आदेश 10.09.2022की भी प्रार्थी द्वारा पूर्ण पालना की जा चुकी है। प्रार्थी द्वारा विभाग की ओर से जारी आदेश की पालना के दो माह पश्चात उसे निरस्त करना भी अनुचित है।

प्रार्थी के अधिववक्ता के तर्क से सहमत होते हुये न्यायालय ने चिकित्सा विभाग द्वारा पारित आदेश 28.11.2022 के तहत प्रार्थी का स्थानातरण निरस्त किया गया उस पर अंतरिम रोक लगाते हुए चिकित्सा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 34 घायल

कानोड़, (निसं)। खेड़ी के पास अनियंत्रित होकर टैक्टर ट्रॉली पलटी खा गया जिसमें सवार होकर सामाजिक कार्यक्रम भाग लेने जा रहे महिला पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग 34 जने घायल हो गये। 7 गम्भीर घायलों का उदयपुर रेफर किया गया तो वहीं अन्य 27 घायलों का कानोड़ सीएचसी में उपचार किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घोड़ो का खेड़ा निवासी सभी लोग खाना खेड़ा बलीचा में एक सामाजिक कार्यकम में शामिल होने के

- **सात गम्भीर घायलों को उदयपुर रैफर किया गया**
- **कानोड़ के निकट खेड़ी चौराहा के पास हुआ हादसा**

सड़क हादसे के घायलों का कानोड़ सीएचसी पर उपचार कराया गया।

लिये रवाना हुए थे । घटना की सूचना मिलते ही हैड कांस्टेबल लक्ष्मण लाल मय जाब्ता पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को कानोड़ सीएचसी में 108 व निजी वाहनों से लाया गया जहां पर चिकित्सा टीम ने उपचार किया । सात घायलों को उदयपुर रैफर किया गया तथा अन्य घायलो का कानोड़ सीएचसी में उपचार हुआ। कानोड़ पुलिस ने टैक्टर ट्रॉली को मौके से कानोड थाने लाया गया तथा डाईवर मौके से घटना के बाद फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार योगेष वैष्णव, डिप्टी रविन्द्र प्रताप सिंह, भीण्डर थानाधिकारी मुकेश कुमार सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थन का जायजा लेकर सीएचसी में घायलों से मिले तथा रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारीयो को भेजी गई । जिससे घायलों को आर्थिक सहायता मिल सके। उदयपुर जिला कलेक्टर ने भी चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को घायलों का जल्द इलाज करने तथा उदयपुर रैफर हुए घायलों के उपचार के लिये जिला मुख्यालय पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। हादसे में दिलीप, शान्ति लाल, पुष्पा देवी, लीला देवी, संजु, शान्ता, गेन्दकी, गणेषी, रामी देवी, डिम्पल, हेमाबाई, मांगी बाई, कोमल, टीना, मुकेश, शिवम, तुलसा बाई, कंकु बाई, पार्वती देवी, विशाल, शंकरी बाई, प्रहलाद, नानी बाई, योगेन्द्र कुमार, भंवरी, लक्ष्मी, नोजकी घायल हुए हैं जबकि पुष्पा, देवली, भोजराज, लोगरी बाई, हेमा, प्रेम बाई, शकंरी रावत को उदयपुर रैफर किया गया।

सांसद को सड़क निर्माण में मिली अनियमितता

भरतपुर, (निस)। भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने वैर से रूपवास की तरफ बनाई जा रही 62 करोड़ रुपए की सड़क में घटिया स्तर की सामग्री का उपयोग ठेकेदार की ओर से किए जाने की शिकायत पर, इस सड़क मार्ग का निरीक्षण किया तो, भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने पाया कि इस सड़क निर्माण कार्य में रेता का उपयोग किया जा रहा था। वैर से रूपवास स्टेट हाईवे निर्माण के लिए 62 करोड रूपए स्वीकृत किए गए हैं, मौके पर पहुंचे अधिकारी सांसद को कोई जवाब दे पाए और ना ही कोई कागजात पेश किया गया।

सीमेंट की मात्रा सही नही होने के संदेह को लेकर बनाई जा रही सड़क की निर्माण सामग्री की सैंपलिंग लेकर दिल्ली भिजवाए जाने की बात कही है। मार्ग में सीमेंट का उपयोग नहीं किया जा रहा था। सड़क निर्माण कार्य के समय विभाग के मौजूद अधिकारी घटिया स्तर की सामग्री का उपयोग करने की बात का कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे पाऐ। वैर ही नही भरतपुर जिले में पीडब्लूडी विभाग की ओर से बनाई जा रही सड़कों में, सड़क निर्माण कार्य के समय जिम्मेदार अधिकारियों का सुपरविजन नही होने के कारण, सवेंदक द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

भारतीय मानक ब्यूरो की टीम ने फर्जी हॉल्मार्क सेंटर पर छापा मारा

जयपुर/कोटपूतली, (निसं)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) राजस्थान की टीम द्वारा गोपनीय सूचना के आधार पर मंगलवार को कस्बा स्थित मैसर्स श्री लक्ष्मी हॉलमार्किंग सैंटर नामक फर्जी हॉल्मार्क सैंटर पर छापेमारी की कार्यवाही की गई। इस दौरान हॉल्मार्क सैंटर बिना भारतीय मानक ब्यूरो के वैधानिक रेकग्निशन के हॉल्मार्क करते हुए पाया गया।

बीआईएस जयपुर प्रमुख कनिका कालिया के निर्देश पर उप निदेशक मोहित मीणा के नेतृत्व में सहायक निदेशक प्रेम प्रकाश डूडी व संगीता चौधरी ने छापेमारी की कार्यवाही की। उक्त सैंटर फर्जी हॉल्मार्क सैंटर के तौर पर बीआईएस जयपुर से बिना मान्यता के कार्य कर रहा था। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए

लक्ष्मी हॉलमार्का सेंटर पर कार्यवाही करती भारतीय मानक ब्यूरो टीम।

गूगल प्ले स्टोर पर बीआईएस केयर एप भी लॉंच किया गया है। जिससे ग्राहक स्वयं ही न केवल आई.एस.आई. एवं रजिस्ट्रेशन मार्क लाइसेंस के विवरण को सत्यापित कर सकते हैं, बल्कि बीआईएस हॉल्मार्क वाली ज्वैलरी पर एचयुआईडी संख्या को भी सत्यापित कर उसकी प्रमाणिकता जान सकते हैं।

आशा सहयोगनियों ने किया प्रदर्शन

आशा सहयोगिनी व कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर एडीएम को ज्ञापन सौंपा

करौली, (नि.स.)। आशा सहयोगिनी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर एडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपकर आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के केवाईसी कार्य का विरोध किया। केवाईसी के लिए मोबाइल, इंटरनेट और भुगतान बढ़ाने की मांग की।

आशा सहयोगिनी संगठन राजस्थान के बैनर तले प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने कम मानदेय पर अधिक काम कराने के भी आरोप लगाए । संगठन की गीता बेनीवाल ने बताया कि आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना सहित विभिन्न केवाईसी के लिए ई-मित्र संचालक द्वारा 50 से 100 रुपए वसूल किया जाता है। जबकि राज्य सरकार आशा कार्यकर्ता को मात्र 5 रुपए का भुगतान कर रही है। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि बिना मोबाइल या टैबलेट, इंटरनेट, बिना उपयुक्त प्रशिक्षण और किसी के सहयोग के ये कार्य करना मुश्किल भरा है।

आशा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सीएचओ को इस कार्य के लिए मोबाइल डाटा का अलग से भुगतान होता है। आशा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि आशा समन्वयक व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पहले जो कार्य किया था उनका भी भुगतान नहीं हुआ है। आशा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि न्यूनतम 3500 रुपए पर कार्य करने के चलते उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आशा कार्यकर्ताओं ने भुगतान बढ़ ाने, प्रति केवाईसी 50, दिलाने, इंटरनेट सहित मोबाइल या टैबलेट फोन भी दिलाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने तक केवाईसी कार्य करने में असमर्थता जताई है । इस दौरान जिले की आशा सहयोगिनी कार्यकर्ता मौजूद रही।

चूरू में सर्दी का असर तेज

चूरू, (कासं)। चूरू में अब दिन पर दिन सर्दी अपना जोर दिखाने लगी है। जिसके कारण दिन के अंदर भी सर्दी का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को यहां का अधिकतम 25.4 व न्यूनतम 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां पर सुबह दिन निकलने के बाद करीब दस बजे तक सर्दी का असर बना रहता है। जिसके चलते लोग देरी से घरों से बाहर निकलते हैं।

हालांकि यहां पर अभी शाम को अलाव जलाने का सिलसिला शुरु नहीं हो पाया है। इसी के साथ मौसमी बीमारियों का प्रकोप भी बना हुआ है। जिसकी वजह से चिकित्सालय में रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। आम आदमी के खांसी, जुकाम व बुखार की शिकायत देखने को मिल रही है।

'राजस्थान सरकार का भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण को जातिगत करना उचित नहीं'

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण को वर्गवार किए जाने का अवकाश प्राप्त सैनिक संघ ने विरोध करते हुए मंगलवार को अवकाश प्राप्त सैनिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन विद्याधर पूनियां तथा कैंटीन प्रभारी जय प्रकाश डूडी के नेतृत्व में राजस्थान के राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी राजगढ रणजीत बिजारणियां को ज्ञापन सौंपा है। वहीं सौंपे ज्ञापन में राज्य सेवाओं में भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले आरक्षण नियम को पूर्ववत रखने की माँग की गई है।

ज्ञापन में लिखा गया है कि भूतपूर्व सैनिकों को राजस्थान सेवा सिविल सेवा नियम-1988 में वर्णित भूतपूर्व सैनिक

- **वर्गवार आरक्षण किए जाने का अवकाश प्राप्त सैनिक संघ ने किया विरोध, सरकार के निर्णय से भूतपूर्व सैनिकों में आक्रोश**

आमलेन के अंतर्गत आरक्षण दिया जाता है। इसमें राज्य सेवा में पाँच प्रतिशत, मंत्रलायिक अधीनस्थ सेवाओं में 12.5 प्रतिशत तथा चतुर्थ श्रेणी पद पर 15 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। लेकिन अब राजस्थान सरकार ने 24 नवंबर को कैबिनेट की बैठक में निर्णय करते हुए आरक्षण को जातिगत किया गया है, जो उचित नहीं है।

ज्ञापन में लिखा गया है कि केबिनेट का निर्णय भूतपूर्व सैनिकों के हितों के प्रतिकूल और भूतपूर्व सैनिकों तथा राजस्थान सिविल सेवा नियम व्यवस्था के भी खिलाफ है। सरकार के इस निर्णय से भूतपूर्व सैनिकों में असंतोष की भावना व्याप्त हो रही है। उक्त आरक्षण को पूर्ववत भूतपूर्व सैनिक आमेलन के हिसाब से रखे जाने की मांग की गई है। इसके अलावा भूतपूर्व सैनिकों की इससे संबंधित परीक्षा में 40 प्रतिशत की बाध्यता को भी हटाए जाने का अनुरोध किया गया है।

पांच कांस्टेबल के तबादले

करौली, (नि.स.) । एसपी ने तबादला सूची जारी करते हुए करीब आधा दर्जन हैड कांस्टेबल और कांस्टेबलों को विभिन्न थानों पर लगाया गया है। पुलिस अधीक्षक नारायण टोंगस ने बताया कि हैड कांस्टेबल जिलय सिंह 50 को साइबर सेल कार्यालय से साइबर थाना करौली, कांस्टेबल मनीष कुमार को साइबर सेल कार्यालय से साइबर थाना करौली,कांस्टेबल संदीप, संजय को पुलिस लाइन से थाना साइबर करौली, कांस्टेबल हरिओम को थाना कोतवाली करौली से थाना हिण्डौन सिटी एवं कांस्टेबल दीपेंद्र सिंह 1387 को थाना लांगरा से वृत कार्यालय हिण्डौन सिटी लगाया गया है।

मतदान करने में महिला मतदाता पुरुषों के बराबर रही

सरदारशहर, (निसं)। उपचुनाव के लिए 5 दिसंबर को हुए मतदान में महिला मतदाता पुरुषों के लगभग बराबर रही है। सोमवार को हुए मतदान में विधानसभा क्षेत्र के कुल 289843 मतदाओ में से 208956 मतदाताओ ने अपने मत का उपयोग कर लोकतंत्र के उत्सव में भाग लिया जो 72.09 प्रतिशत रहा। विधानसभा क्षेत्र में कुल पुरुष मतदाता 152766में से 10269 मतदाताओं ने मतदान किया जो 72.18प्रतिशत रहा वहीं महिला कुल 137077 मतदाओ में से 98692 ने मतदान कर लोकतंत्र उत्सव में भाग लिया जो 71.99 प्रतिशत रहा।

उपचुनाव में त्रिकोणिय मुकाबला:- सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में वैसे तो चुनाव में दस प्रत्याशी मैदान में हैं। लेकिन भाजपा, कांठोस और रालोपा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। कही तो कांठोस आगे तो कही भाजपा आगे तो कही आरएलपी आगे नजर आ रही है। इस चुनाव में प्रदेश के सभी दिग्गज नेताओं और विधायको ने यहां डेरे डाल कर अपनी अपनी पार्टी के उम्मीदवार को ज्यादा से ज्यादा वोट दिलाने के प्रयास किये हैं। लेकिन मतदाताओं ने किस पार्टी के बडे नेता की प्रतिष्ठा को चुना है यह निर्णय 8 दिसंबर को सामने आयेगा।

इस उपचुनाव में कांठोस प्रत्याशी अनिल शर्मा के पिता दिवंगत विधायक पं. भंवरलाल शर्मा कद्दावर नेता थे।

- **उपचुनाव में भाजपा-कांग्रेस और रालोपा के बीच रहा कड़ा मुकाबला**
- **प्रदेश के सभी दिग्गज नेताओं और विधायकों ने चुनाव के दौरान डेरा डाले रखा**

उनकी सियासी विरासत बचाने की चुनौती रही जिसके लिए पार्टी के दिग्गज नेता प्रदेश मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अनेक मंत्रियों व पार्टी के विधायकों ने डेरे डाल कर घर घर दस्तक दी और पार्टी के पक्ष में वोट मांगे वहीं भाजपा के अशोक पींचा के लिए केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड सहित अनेक बडे नेताओं ने यहां डेरे डाल कर घर घर दस्तक दी लेकिन भाजपा का बडे वोट बैंक पर आरएलपी के प्रत्याशी लालचंद मूंड के पक्ष में पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाते हुए सेंध लगा कर भाजपा का समीकरण प्रभावित कर दिया। लोगों का मानना है कि यह चुनाव त्रिकोणीय बनने से रोचक बना और यह कहना मुश्किल हो गया कि जीत किसी की हो लेकिन फैसले का अनुमान लगाना मुश्किल जरूर हो गया।

सीजन के पहले कोहरे ने रोकी वाहनों की रफ्तार

सूरतगढ़, (निसं) । मंगलवार की सुबह लोगों की आंख खुलते ही उन्हें इस सीजन का पहला कोहरा दिखाई दिया। अलसुबह छाई धुंध ने वातावरण में भी आम दिनों की अपेक्षा ठंडक का ज्यादा एहसास करवाया। अब तक गुलाबी ठंडक में आधी बाजू की स्वेटर से काम चला रहे लोगों को अब ठंड से पूरा बचाव करना पड़ेगा। धुंध के चलते जनजीवन पर भी इसका असर देखा गया। स्कूली बच्चों ने खुले आसमान के नीचे सड़क पर खड़े होकर अपनी वैन का इंतजार किया तो कुछ पैदल ही ठिठुरते हुए स्कूल पहुंचे।

सबसे ज्यादा परेशानी का सामना हाईवे पर वाहन चालकों को करना पड़ा। जो घने कोहरे के चलते हेडलाइट जलाकर अपने वाहनों को धीमी गति से चलाते नजर आए। तेज धुंध के चलते सुबह सवेरे यात्रा करने वाले यात्रियों ने ट्रेन के जरिए आवागमन को ही प्राथमिकता दी। मगर ट्रेनों के भी देरी से आने और जाने की जानकारी सामने आई। इसके अलावा पार्कों तथा अन्य स्थानों पर पैदल भ्रमण करने वाले लोग भी इक्का-दुक्का ही दिखाई दिए। पहली बार सीजन की इस धुंध में लोगों ने अलाव का सहारा लिया। किसानों के अनुसार फसलों के लिए यह धुंध लाभदायक है। परंतु वृद्धजनों और बच्चों को आने वाले दिनों में सर्दी से ज्यादा बचाव रखना पड़ेगा।

भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस हमेशा हिन्दू विरोधी रही है : देवनानी

अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश यात्रा के दौरान कांग्रेस सरकार पर जमकर बरसे भाजपा नेता

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस है। राजस्थान और देश में जब-जब कांग्रेस की सरकार रही, भ्रष्टाचार सुरसा के मुंह की तरह बढ़ा। प्रदेश में भ्रष्टाचार व्याप्त है, इस बात को खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी कई बार अपने बयानों और भाषणों में स्वीकार कर चुके हैं। यही नहीं, कांग्रेस हमेशा हिन्दू विरोधी रही है और वह अब भी यही रवैया अपनाए हुए है।

देवनानी अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में निकाली जा रही जन आक्रोश यात्रा के तीसरे दिन मंगलवार को दाहरसेन मंडल में विभिन्न स्थानों पर सभाओं और नुक्कड़ सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रिश्वत दिए बिना शिक्षकों के तबादले नहीं होने की बात खुद शिक्षकों ने मुख्यमंत्री गहलोत की उपस्थिति में उनके द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कही थी।

देवनानी ने कहा कि अस्पतालों में सुविधाएं जुटाने, सड़कें और पुल बनाने में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। यह बात भी खुद गहलोत स्वीकार कर चुके हैं। गहलोत ने तो यहां तक कह दिया था कि ठेकेदारों और इंजीनियरों की साठगांठ

विधायक वासुदेव देवनानी ने यात्रा के दौरान कांग्रेस के पुतलों की शव यात्रा निकाली।

होने के कारण कोई भी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं हो पाता है। गहलोत यह भी स्वीकार कर चुके हैं कि भ्रष्टाचार के कारण ही सरकारी अस्पतालों में ना तो अच्छी मशीनों की व्यवस्था हो पाती है और ना ही मरीजों को उचित इलाज मिल पाता है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं का आभास भी गहलोत को तब हुआ, जब वे खुद बीमार होने पर वहां भर्ती हुए थे। देवनानी ने कहा, गहलोत द्वारा इतनी सारी बातें स्वीकार करने के बावजूद कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार रोकने में पूरी तरह नाकाम रही है। जब सरकार की यह स्थिति है, तो उससे जनता की अपेक्षाएं और उम्मीदें कैसे पूरी हो सकती हैं।

मोहन डेयरी के पास यात्रा के प्रारंभ में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। देवनानी ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, यात्रा की विधानसभा प्रभारी स्टेफी चैहान, पूर्व शहर भाजपा अध्यक्ष अरविंद यादव, यात्रा के विधानसभा संयोजक जयकिशन पारवानी, जिला महामंत्री रमेश सोनी, मंडल अध्यक्ष दीपेंद्र ला ल वानी, महिल ा मोर्चा अध्यक्ष भारती श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष राहुल जायसवाल आदि भी शामिल रहे। यात्रा के दौरान दो स्थानों पर कांग्रेस के पुतलों की शवयात्रा निकाली गई। पुतले की पहली शवयात्रा मोहन डेयरी से शुरू होकर साहूजी के कुएं के पास पहुंची, जहां कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला जलाया गया। इसी प्रकार पुतले की दूसरी शवयात्रा इनकम टैक्स कॉलोनी से लेकर श्रीराम विहार कॉलोनी तक निकाली गई, जहां चैराहे पर पुतला फूंका गया।

यात्रा में अजमेर उत्तर यात्रा विधानसभा संयोजक जयकिशन पारवानी, यात्रा विधानसभा सह-संयोजक राजकुमार लालवानी, महामंत्री रमेश सोनी, जिलामंत्री राजेश शर्मा, योगेश शर्मा, विक्रमसिंह, पार्षद सुभाष जाटव, के.के. त्रिपाठी, राजू साहू, अतीश माथुर, दाहरसेन मंडल अध्यक्ष दीपेंद्र लालवानी, सत्येंद्र कुमार शर्मा, विक्रमसिंह राठौड़, अनिल नरवाल , दयाल राम सिवासियां, जातवेद सोनी, प्रकाश मेहरा, सौरभ गौड़, महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती श्रीवास्तव, सावित्री शर्मा, विजय लक्ष्मी विजय, रेणु यादव, लक्ष्मी यादव, सुमन राठौड़, बबीता ईनाणी, भाग्यश्री ओझा, शकुंतला शेखावत, पूजा सोनी, अनुराधा पारीक, विजयसिंह टांक, नीरज पारीक, सर्वेश बजाज, अनिल आसनानी, ओमप्रकाश शर्मा, शशांक शुक्ला, अंकुर सोनी, मुकेश आहूजा आदि शामिल रहे।